

2024/575

**फर्द अहकाम**

(नियम-13)

(General Rule (Civil), Rule 103, Appendix 'B' Form No.91)


अज अदालत- ..... उपखण्ड अधिकारी ..... मुकाम- ..... डीडवाना .....

प्रार्थीगण :- मन्जू देवी पत्नी स्व. खेमाराम जाति जाट निवासी बावडी हाल निवासी रसीदपुरा तहसील मौलासर जिला डीडवाना-कुचामन वगै.।

बनाम्

अप्रार्थीगण :- धन्नाराम पुत्र बिडदाराम जाति जाट निवासी बावडी तहसील मौलासर जिला डीडवाना-कुचामन वगै.।

किस्म मुकदमा- राजस्व प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 R.T:Act. संख्या 182 / 2024 सन्-2024

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए।
05.11.2024	<p>प्रार्थीगण मन्जू देवी पत्नी स्व. खेमाराम जाति जाट निवासी बावडी हाल निवासी रसीदपुरा तहसील मौलासर जिला डीडवाना-कुचामन वगै. ने यह प्रार्थना-पत्र अप्रार्थीगण धन्नाराम पुत्र बिडदाराम जाति जाट निवासी बावडी तहसील मौलासर जिला डीडवाना-कुचामन वगै. के विरुद्ध पेश किया। प्रार्थना-पत्र दर्ज रजिस्टर हो।</p> <p>स्थगन पर वकील प्रार्थीगण श्री सैयद अल्लाफ हुसैन के एकपक्षीय तर्क सुने गये तथा रिकर्ड का अवलोकन किया। रिकर्ड के अवलोकन करने, तर्कों पर मनन करने तथा प्रार्थी के शपथ-पत्र पर विश्वास करते हुए, अप्रार्थीगण को जरिये अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि, वे सरहद रसीदपुरा, पटवार हल्का-रसीदपुरा के खसरा संख्या 699, 700, 701, 702, 698, 664, 845/665 कुल खसरे 7 एवं सरहद बावडी पटवार हल्का रसीदपुरा के खसरा संख्या 631, 634, 635, 629, 633 कुल खसरे 5 की भूमि पर निर्माण, विक्रय/ हस्तान्तरण नहीं करेंगे तथा राजस्व रिकर्ड एवं मौके की यथा स्थिति बनाये रखेंगे। अप्रार्थीगण को कोई उज्र एतराज हो तो असालतन/वकालतन न्यायालय में उपस्थित होकर पेश करें।</p> <p>नोट :-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. उक्त स्थगन आदेश धारा 251A, 251 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 पर प्रभावी नहीं रहेगा।</li> <li>2. प्रार्थी पक्ष सी0पी0सी0 के आदेश 39 नियम 3 की पालना करना सुनिश्चित करें।</li> <li>3. अप्रार्थीगण के समन जरिये रजिस्टर्ड ए.डी. से भिजवाये जावें। अप्रार्थीगण को तलब होकर पत्रावली दिनांक 11.12.2024 को पेश हो।</li> </ol> <p style="text-align: center;">   <b>उपखण्ड अधिकारी डीडवाना</b>  <b>डीडवाना</b> </p>	



11/12/24

पत्रावली दिनांक

कार्य स्थगित नहीं है।  
पत्रावली दिनांक 13/12 को कर ले।

P.T. अध्यापक सं. 2

दीशराम

11.12.24

9/1/25 प्राचीण के प्राचीन पत्र पर पत्रावली  
काज प्रेषण है।

अज्ञान  
अज्ञान योचनी  
Identified by  
[Signature]

प्राचीण तथा उनके अधिकार उपाधि।  
प्राचीण ने प्राचीन पत्र प्रेषण हर निवेदन  
दिखाते प्रसकारन के प्रत्यक्ष रानीनाम है  
जन के कारण के प्राचीन पत्र के पलना नहीं  
पाए हैं इसलिए प्राचीन पत्र जरी विद्वान  
स्वार्थ दिवा जरी।

आवेदन पर अनुज्ञा पत्र व रेकर्ड का अक्लेउर दिवा )  
प्राचीण अपने प्राचीन पत्र के पलना नहीं पाए हैं  
इसलिए इस संबंध में प्राचीण दस्तावेज प्राचीन पत्र  
जरी विद्वान स्वार्थ दिवा जाता है।  
पत्रावली अपने नाम से इस लेख प्रेषण करे  
स्वार्थ उपाधि वही।

ikas

उपखण्ड अज्ञान  
बैठवाना